आज का पुरुषार्थ, 3 June 2022

From: BK Suraj bhai **Website**: www.shivbabas.org

धारणा – *" विजयमाला के अधिकारी बनना है तो स्वयं को बदले, अपने चेहरे और चलन से बाबा को मेहसूस कराये कि सभी कहने लगे कि हमें बाबा मिला है "*

विजयमाला तो उसी के गले में पड़ते है जो **स्व-परिवर्तन** करते है। कितना सुन्दर बाबा के महावाक्य है। यह महावाक्य सुनकर आपने अवश्य सोचा होगा कि यह विजयमाला मेरे गले में भी पड़े।

" बाबा सामने खड़े होकर विजयमाला आपके गले में डाल रहे है "

लेकिन यह विजयमाला **उन्हीं के गले में पड़ेगी जो** दूसरों के बदलने का इन्तजार न करके, जो स्थान बदलने का इन्तजार न करके **स्वयं को बदलेंगे।**

कभी कभी समय मनुष्य को बदल देता है। लेकिन हमें **स्वयं को बदलने की श्रेष्ठ इच्छा होनी चाहिए।** हम जब तक दूसरों के बदलने का इन्तजार करेंगे, तब तक हम बहुत ही कमजोर बनते जायेंगे।

हमें **सीख लेना है** हर मनुष्य के साथ कैसे चलना है। और एक ही लक्ष्य हो कि .. *" कुछ भी हो जाये, किसी के साथ भी रहना पड़े, मुझे अपनी खुशी नहीं खोनी है, मुझे अपनी स्थिति नहीं गंवानी है "*

हम बदलेंगे तो जग बदलेगा। हमारे बदलते ही सारा संसार बदल जायेगा। तो आज अपने में चेक करे ...

" दुसरा बूरा बोलता है, हम सहनशक्ति सम्पन्न रहते है? या दूसरा बूरा बोलता है और हमें भी ईगो जागृत हो जाता है, और हम इट का जबाब पत्थर से देने लगते है, और टकराव बढ़ने लगता है? "

" दूसरा व्यक्ति अच्छा व्यवहार नहीं करता तो हमारा व्यवहार कैसा रहता है? दुसरा व्यक्ति हमारी उल्टी शिकायतें करता है तो हमारी स्थिति कैसी रहती है? दुसरा व्यक्ति हमें गिराने की कोशिश करता है तो हम कैसे निरन्तर बढ़ते रहते है? "

बहुत इम्परटैन्ट बात है कि हम अपने लक्ष्य को पकड़कर चले। लक्ष्य के मार्ग में यह सब बाँधा आती ही है। हमारे भी बाधाएं बहुत है। और हम बाँधा को पार करके ही अपने मंजिल पर पहुंचना है।

इसलिए दुसरे के बदलने का इन्तजार न करके हमें स्वयं की भावनाओं को बदलना है। स्वयं की शक्तियों को बढ़ाना है। स्वयं को और सहनशील बनाना है। और स्वयं के बोलने की तरीके भी बहुत रॉयल रखना है।

ऐसा न हो कि ...

हमारे चेहरा किसी को आभास ही न दे कि .. " इन्हें भी भगवान मिला है, इन्हें भी प्रभु पालना प्राप्त हुई है "

" हम अपने चेहरे और चलन से बाबा का स्वरुप दिखाये .. प्रभु पालना का प्रत्यक्ष प्रमाण बन जाये "

भगवान ने हमारी पालना की है। बहुत प्यार दिया है। हम अपने जीवन को महान बनाकर अपने जीवन से अपने प्राणेश्वर परमपिता की छबि दिखाये।

तब ही तो हमें देखकर अनेक आत्मायें बाबा के समीप आ सकेंगी। यदि हम ही उतार चढ़ाव में रहे तो लोग कैसे मानेंगे कि हम प्रभु पालना में पल रहे है।

तो आज सारा दिन हम अशरीरी होकर बाबा के पास चलेंगे ....

" टच करेंगे बाबा को .. और फ़ील करेंगे .. उनके वायब्रेशन्स मुझमें भर गये .. फिर उनसे वायब्रेशन्स लेकर नीचे आकर प्रवेश करेंगे अपने देह में .. और उन वायब्रेशन्स को चारों ओर फैलायेंगे "

तो बाबा के पास जाकर वायब्रेशन्स लेना और वापिस देह में आकर वायब्रेशन्स फैलाना ... **यह ड्रिल करते रहेंगे।**

।। ओम शान्ति ।।

BK Google: www.bkgoogle.org

Website: www.shivbabas.org